देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बदले

- ब्रेंट क्रूड हल्की गिरावट के साथ 82.80 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट नजर आ रही है। मंगलवार डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 78.51 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। बिहार में पेट्रोल 36 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 और डीजल 41 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश और तेलंगाना में पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 14 और डीजल 13 पैसे सस्ता हुआ है। राजस्थान में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में क्रमशः 18 और 16 रुपये की गिरावट है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जापान में अब नहीं होगी कार ड्राइवरों की जरुरत

-स्वयं चलने वाली गाड़ियों को उतारेगी सरकार

नई दिल्ली । क्या आपने सोचा है कि जब कार चलाने वाले ड्राइवर ही न हों तब क्या होगा? दरअसल, इन दिनों दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कुछ ऐसी ही समस्या से दो-चार हो रही है। इस समस्या से बचने जापान की सरकार अब लोगों को ऐसी टैक्सी सर्विस देने की तैयारी कर रही है जिसमें कार चलाने के लिए ड्राइवर की जरूरत ही नहीं होगी। जापान में घटती कार ड्राइवरों की संख्या की एक बड़ी वजह जापान की कम होती आबादी है। 2021 में जापान की जनसंख्या वृद्धि दर -0.5 प्रतिशत थी, यानी जापान की आबादी बढ़ने के बजाय घट रही है। इस वजह से जापान में कंपनियों के पास कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है। वहीं टैक्सी और फ्लीट जैसी सेवाओं के लिए नए ड्राइवर नहीं मिल रहे हैं। ड्राइविंग के लिए अधिकतम उम्र की सीमा तय कर चुके ड्राइवर रिटायर भी हो रहे हैं जिस वजह से यह संकट और गहरा गया है। हालांकि, जापान इस समस्या का समाधान तकनीक की मदद से निकालने का प्रयास करता दिख रहा है। जापान की कार निर्माता निसान ने हाल ही में सेल्फ ड्राइविंग तकनीक से लैस कारों को उतारने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि वह 2027 में पहली ऑटोनोमस सेल्फ ड्राइविंग कार लॉन्च करेगी। इसके लिए कंपनी ने जापान के योकोहामा शहर में सेल्फ ड्राइविंग कार की टेस्टिंग शुरू करने वाली है। कंपनी ऐसी तकनीक के लिए सुरक्षा और विनियमन संबंधी मामलों पर सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में सेल्फ ड्राइविंग कारें जांच के दायरे में आ गईं हैं। हालांकि, जापान में ऐसी तकनीकी क्षमताओं वाले वाहनों की आवश्यकता अन्य विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक हैं। निसान रिसर्च एंड एडवांस इंजीनियरिंग के वाईस प्रेजिडेंट खजुहीरो डोई ने कहा कि जापान परिवहन संबंधी एक बड़ी समस्या का सामना कर रहा है, जो भविष्य में और भी बड़ी हो जाएगी।

चीन ने रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाया

- अर्थव्यवस्था में वृद्धि का लक्ष्य 5 फीसदी रखा

नई दिल्ली ।

चीन ने मंगलवार को अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है जो पहले ही दुनिया का दूसरा सबसे अधिक रक्षा बजट है। दुनिया में सबसे ज्यादा रक्षा बजट अमेरिका का है जो 222 अरब डॉलर का है। अमेरिका, ताइवान, जापान और दक्षिण चीन सागर पर दावा जताने वाले पड़ोसी देशों के साथ तनाव को हाई-टेक सैन्य प्रौद्योगिकियों में वृद्धि की वजह माना जा रहा है जिसमें स्टील्थ लड़ाकू विमान से लेकर विमानवाहक पोत और परमाणु हथियारों के शस्त्रागार में वृद्धि शामिल है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उदघाटन सत्र में मंगलवार को घोषित किए बजट के आधिकारिक आंकड़ों को कई विदेशी विशेषज्ञ सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य इकाई पीपुल्स लिबरनेशन आर्मी द्वारा किए खर्च का केवल एक अंश मानते हैं। प्रधानमंत्री ली क्विंग ने मंगलवार को सुरक्षा तथा अर्थव्यवस्था के संबंध में सरकार की योजनाओं और प्रदर्शन पर एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि इस साल के लिए चीन का आर्थिक वृद्धि लक्ष्य करीब पांच प्रतिशत है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए उपभोक्ता खर्च बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दे रही है। आवासीय दरों में गिरावट और नौकरियों को लेकर चिंता होने से कई परिवार अधिक खर्च करने से बच रहे हैं या खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

पिछले साल अर्थव्यवस्था में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी लेकिन यह 2022 में तीन प्रतिशत की बहुत कम दर की वार्षिक वृद्धि के बाद हुई थी। जब देश में कोविड-19 महामारी के कारण कई बाधाएं आई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेतृत्व नीतियों के प्रबंधन में सुधार लाने का प्रयास करेगा।

वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन होंगे लॉन्च

-12जीबी रैम से मचेगा तहलका

नई दिल्ली ।
भारत में 7 मार्च को वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन को लॉन्च किया जाएगा। टिप्सटर अभिषेक यादव के दावे के मुताबिक वीवो वी30 को 33,999 रुपये और वीवो वी30 प्रो को 41,999 रुपये में लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि वीवो वी30 अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक और पीकॉक ग्रीन में उपलब्ध होगा, और ये 8जीबी+128जीबी, 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+256जीबी स्टोरेज ऑप्शन के साथ आएगा। दूसरी तरफ वीवो वी30 प्रो अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक, पीकॉक ग्रीन कलर में आ सकता है। इसे 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+512जीबी स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। फोन के भारतीय वेरिएंट के स्पेसिफिकेशन के बारे में कंफर्मेशन नहीं हुई हैं, लेकिन वीवो वी30 और वी30 प्रो के इंडोनेशिया वेरिएंट से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। दोनों फोन में 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 300 एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.78-इंच कर्व्ड 1.5के (1,260 गुणा 2,800 पिक्सल) अमोलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है। ये 2,800 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। इसका बेस मॉडल वीवी वी30 क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट से लैस हो सकता है। जबकि प्रो मॉडल मीडियाटेक डाइमेंशन 8200 एसओसी से लैस हो सकता है। कैमरे के तौर पर वीवो वी30 में डुअल रियर कैमरा सेटअप मिलता है जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) सपोर्ट के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर और अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस के साथ 50-मेगापिक्सल का दूसरा सेंसर दिया गया है। वीवो वी30 प्रो में ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट के अलावा 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट लेंस भी है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है। ये दोनों फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड फनटच ओएस 14 पर चलते हैं। पावर के लिए दोनों स्मार्टफोन में 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है जो 80डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।कंपनी ने इन फोन के बारे में ऑफिशियल तौर पर ऐलान कर दिया है, और फ्लिपकार्ट पर इसके लिए माइक्रोसाइट लाइव कर दी गई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों के नीचे आने से आई है। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी नीचे आया है। ये 0.17 फीसदी और 0.63 फीसदी कमजोर होकर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 195.16 अंक करीब 0.26 फीसदी नीचे आकर 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,412.25 और 73,915.54 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.30 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी टूटा है। निफ्टी दिन के अंत में 22,356.30 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान आज 22,269.15 और 22,416.90 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 125 अंक की गिरावट के साथ 73735 के आसपास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी में घी 41.15 अंक की गिरावट के साथ 22,365 के आसपास कारोबार हुआ।

प्री-ओपनिंग सत्र में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 10.67 अंक नीचे 73,861.62 पर और निफ्टी 19.40 अंक गिरकर 22,386.20 पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई के फैसले से आईआईएफएल फाइनेंस में आया भूचाल

मुंबई । केंद्रीय बैंक आरबीआई की कार्रवाई ने आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों पर तगड़ी स्ट्राइक की है। आरबीआई ने इस तत्काल गोल्ड लोन बांटने से रोक दिया है, इसकारण शेयरों को तगड़ा झटका लगा है।मंगलवार को कारोबार की शुरुआत होते ही इसके शेयर 20 फीसदी टूटकर लोअर सर्किट पर आ गए। पिछले साल इसके शेयर 16 अक्टूबर 2023 को एक साल के हाई 704.20 रुपए और 14 मार्च 2023 को एक साल के निचले स्तर 408.40 रुपए पर थे। आरबीआई ने आईआईएफएल फाइनेंस पर गोल्ड लोन बांटने पर रोक लगा दिया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो चुका है। इस मामले में कंपनी ने सफाई दी हैं कि आरबीआई ने जो आपत्तियां जाहिर की हैं, उस पर तुरंत एक्शन लेकर गोल्ड लोन सर्विसेज में दिक्कत नहीं आने दिया जाएगा। आईआईएफएल फाइनेंस देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 2721 नगरों और शहरों में गोल्ड लोन मुहैया कराता है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने आरबीआई की कार्रवाई के बावजूद इसकी खरीदारी की रेटिंग को बरकरार रखा है। इसका टारगेट प्राइस 765 रुपए फिक्स किया है।

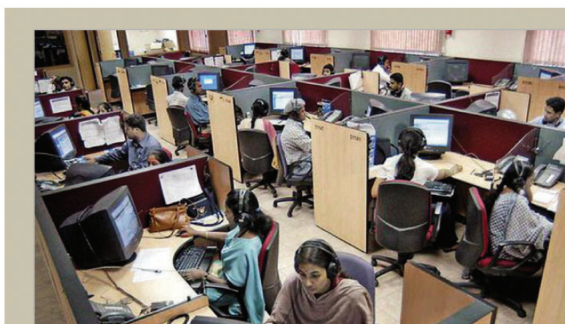

कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी, वृद्धि सुस्त पड़ी

नई दिल्ली । कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी के चलते भारत में फरवरी में सेवा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त पड़ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक फरवरी में 60.6 रहा, जो इसके पहले जनवरी में 61.8 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। भारत की सेवा पीएमआई से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र में विस्तार की गति जनवरी के मुकाबले फरवरी में कम हो गई है। भारत में सेवा कंपनियों को विदेश से मिलने वाले नए कारोबार में लगातार तेरहवें महीने वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के मुताबिक भविष्य की व्यावसायिक गतिविधि के लिए सेवा कंपनियों का पूर्वानुमान सकारात्मक रहा, हालांकि यह पहले के मुकाबले थोड़ा कमजोर पड़ गया।

एक्सिकॉम के शेयर 87 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ईवी चार्जर बनाने वाली कंपनी एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 142 रुपये के मुकाबले करीब 87 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 85.91 प्रतिशत बढ़कर 264 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 93.27 प्रतिशत बढ़कर 274.45 रुपये पर पहुंच गए। इस तरह शेयर एनएसई पर 86.61 प्रतिशत बढ़कर 265 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 129.52 गुना अभिदान मिला था।

प्लैटिनम के शेयर 33 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । स्टेबिलाइजर बनाने वाली कंपनी प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 171 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। शेयर बीएसई पर 33.33 प्रतिशत बढ़कर 228 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में भाव 38.59 प्रतिशत बढ़कर 237 रुपये पर पहुंच गया। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर एनएसई पर 31.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 225 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्याकंन 1,241,30 करोड़ रुपये है। कंपनी के आईपीओ को 98.99 गुना अभिदान मिला था।

एसबीआई ने चुनावी बांड की जानकारी देने सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक मांगा समय

नई दिल्ली । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी को जमा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक का समय मांगा है। एसबीआई ने कहा है कि कोर्ट ने जो 3 हफ्ते का समय दिया था वह पर्याप्त नहीं है। एसबीआई ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 6 मार्च तक निर्वाचन आयोग को इसकी पूरी जानकारी पेश करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आवेदन में एसबीआई ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को जानकारी शेयर करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें प्रत्येक चुनावी बॉण्ड की खरीद की तारीख, बॉण्ड के खरीदार का नाम और खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का मूल्य शामिल हो। याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉण्ड को डिकोड करना और दानकर्ताओं द्वारा दिए गए दान का मिलान करना एक जटिल प्रक्रिया होगी। उच्चतम न्यायालय ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था तथा चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने एसबीआई को छह साल पुरानी योजना में दानकर्ताओं के नामों का निर्वाचन आयोग को खुलासा करने का आदेश दिया था।

वॉट्सऐप ने 67 लाख अकाउंट पर लगाया प्रतिबंध

-जनवरी में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने नए आईटी नियम 2021 के अनुपालन में जनवरी महीने में भारत में 67 लाख से अधिक अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। वॉट्सैप ने अपनी मंथली रिपोर्ट में कहा कि यूज़र्स की किसी भी रिपोर्ट से पहले इनमें से लगभग 1,358,000 अकाउंट पर एक्टिव रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। 1 से 31 जनवरी के बीच कंपनी ने 6,728,000 अकाउंट्स को बैन कर दिया है। सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप को जनवरी में देश में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं थी और 10 पर एक्शन हुआ। 'अकाउंटस एक्शन' उन रिपोर्टों को दर्शाता है, जहां वॉट्सऐप ने रिपोर्ट के आधार पर उपचारात्मक कार्रवाई की और कार्रवाई करने का मतलब या तो किसी खाते पर प्रतिबंध लगाना है या परिणामस्वरूप पहले से प्रतिबंधित खाते को बहाल करना है।

कंपनी के अनुसार, 'इस यूज़र-सिक्योरिटी रिपोर्ट में प्राप्त शिकायतों और वॉट्सऐप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए वॉट्सऐप की अपनी कार्रवाइयों की जानकारी भी शामिल है।' लाखों भारतीय सोशल मीडिया यूज़र्स को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) की शुरुआत की है, जो कंटेंट और अन्य मुद्दों के संबंध में उनकी परेशानियों को देखती है।

नया बनाया गया पैनल, बिग टेक कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए देश के डिजिटल कानूनों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के फैसलों के खिलाफ यूज़र्स द्वारा की गई अपील पर गौर करेगा। वॉट्सऐप ने एक बयान में कहा, 'हम दुरुपयोग को रोकने और मुकाबला करने में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवाओं के बीच सुरक्षा सुविधाओं और नियंत्रणों के अलावा इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन में विशेषज्ञों की टीम गठित करते हैं।'

एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर का मुकदमा

मुकदमा करने वालों में ट्विटर के पूर्व सीईओ सहित चार पूर्व उच्चाधिकारी शामिल

नई दिल्ली ।

ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व उच्च स्तर के अधिकारियों ने एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर से अधिक का मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एलन मस्क के खिलाफ कार्रवाई लेने वाले अन्य लोगों में ट्विटर के पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सेगल, पूर्व लीगल चीफ ऑफिसर विजया गड्डे और पूर्व जनरल काउंसिल सीन एडगेट के नाम भी शामिल हैं। गौरतलब है कि पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व ट्विटर अधिकारियों ने कंपनी के वर्तमान सीईओ एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर के अवैतनिक विच्छेद भुगतान के लिए मुकदमा दायर किया है। ट्विटर के पूर्व अधिकारियों ने दावा किया है कि जब मस्क ने 2022 में 44 बिलियन डॉलर की डील के बाद ट्विटर की कमान संभाली तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से लगभग 200 मिलियन डॉलर के उनके विच्छेद भुगतान को रोकने की कसम खाई थी। कैलिफोर्निया की अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर 38 पन्नों की शिकायत में अग्रवाल के वकीलों ने कहा जैसा कि ब्लूमबर्ग ने लिखा है, मस्क के नियंत्रण में, ट्विटर एक उपहास बन गया है, जो कर्मचारियों, मकान मालिकों, विक्रेताओं और अन्य लोगों को परेशान कर रहा है। मस्क अपने बिलों का भुगतान नहीं करते हैं, उनका मानना है कि नियम उन पर लागू नहीं होते हैं, और जो भी उनसे असहमत हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए अपने धन और शक्ति का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने समाप्ति पत्रों में दावा किया कि प्रत्येक वादी ने इस दावे के समर्थन में एक भी तथ्य का हवाला दिए बिना घोर लापरवाही और जानबूझकर कदाचार किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अग्रवाल, गड्डे और अन्य पूर्व कर्मचारियों ने पहले भी मुकदमा दायर किया था और डेलावेयर अदालत से फैसला जीता था, जिसने ट्विटर को सोशल मीडिया कंपनी के लिए काम करने के दौरान किए गए कानूनी शुल्क में 1.1 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया था।

1 अप्रैल को एक हो जाएंगे फिनकेयर और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के विलय को मंजूरी दे दी है। इसके बाद एक अप्रैल, 2024 से फिनकेयर की सभी ब्रांच एयू एसएफबी के नाम से काम करेंगी। इस फैसले से प्राइवेट सेक्टर के एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 30 अक्टूबर, 2023 को फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ मर्जर का ऐलान किया था। बैंक ने बताया था कि शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिलने के बाद आरबीआई और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से नियामकीय अनुमे ति के लिए प्रयास किया जाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने बताया कि फिनकेयर के प्रमोटर्स लगभग 700 करोड़ रुपए की पूंजी इस मर्जर के बाद लगाएंगे। सौदे के तहत गैर लिस्टेड फिनकेयर के शेयरहोल्डर्स को उनके प्रत्येक 2000 शेयरों के बदले लिस्टेड एयू एसएफबी के 579 शेयर मिलेंगे। दोनों बैंकों के मर्जर के बाद फिनकेयर एसएफबी के एमडी और सीईओ राजीव यादव एयू एसएफबी के डिप्टी सीईओ बनेंगे। साथ ही फिनकेयर एसएफबी के बोर्ड की डायरेक्टर दिव्या सहगल एयू एसएफबी के बोर्ड को ज्वॉइन करेंगी। इन दोनों बैंक के मर्जर को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी इसी साल 23 जनवरी को मिली थी। एयू एसएफबी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी थी।

आईईएक्स पर फरवरी में ऊर्जा कारोबार 15 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारतीय ऊर्जा बाजार (आईईएक्स) ने बताया कि उसके मंच पर फरवरी में सकल ऊर्जा कारोबार सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 946.2 करोड़ यूनिट हो गया। आईईएक्स ने एक बयान में कहा कि फरवरी 2024 के दौरान एक दिन बाद की खरीद में औसत बाजार कीमत 4.93 रुपये प्रति यूनिट थी। यह राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत कम थी। बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में एक्सचेंज पर बिक्री बोलियां सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़ीं। आईईएक्स ने फरवरी 2024 में कुल 946.2 करोड़ यूनिट का कारोबार हासिल किया, जो सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत अधिक है। एक दिन बाद की खरीद (डीएएम) की मात्रा पिछले महीने 472.2 करोड़ यूनिट थी, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 466.4 करोड़ यूनिट थी। तत्काल खरीद के बिजली बाजार (आरटीएम) में इस साल फरवरी में 234 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जबकि फरवरी 2023 में यह 171.4 करोड़ यूनिट था।